भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 5986
बुधवार, 01 अप्रैल, 2026 को उत्तर देने के लिए

पीएसएलवी और एसएसएलवी कार्यक्रम

5986. श्री गौरव गोगोई:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) और लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) कार्यक्रमों के अंतर्गत नियोजित अभियानों सहित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रक्षेपणों में हाल ही में हुए विलंब के कारणों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये स्थगन तकनीकी तैयारी की समीक्षा, आपूर्ति श्रृंखला संबंधी बाधाओं अथवा अभियानों के संशोधित आंतरिक अनुक्रमण के कारण हुए थे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान अभियान, नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (एनआईएसएआर) अर्थ-ऑब्जरवेशन पहल और आगामी जलवायु और मौसम निगरानी उपग्रहों जैसे प्रमुख कार्यक्रमों को प्राथमिकता दिए जाने के परिणामस्वरूप लघु-उपग्रह और वाणिज्यिक प्रक्षेपण अभियानों के बदले वित्तीय, तकनीकी या कार्मिक संसाधनों का पुन: आवंटन किया गया है; और

(घ) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि छोटे और वाणिज्यिक मिशनों के लिए समय-सीमा पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) और (ख)

ध्रवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के अंतर्गत नियोजित मिशनों के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रक्षेपणों में हालिया विलंब पूर्णत: तकनीकी कारणों से हुए हैं। पीएसएलवी-सी62 मिशन की विफलता के मद्देनजर, पीएसएलवी यान में हुई विसंगति के कारण की समीक्षा करने और सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। सुधारात्मक कार्रवाई के बाद पीएसएलवी फिर से उड़ान भरेगा। एसएसएलवी ने विकासात्मक उड़ानें सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं और उत्पादन एवं प्रक्षेपण के लिए इसे एनएसआईएल तथा उद्योग को सौंप दिया गया है।

..2/-

(ग) और (घ)

जी नहीं। गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (एनआईएसएआर) अर्थ ऑब्जरवेशन पहल और आगामी जलवायु एवं मौसम निगरानी उपग्रहों का प्रचालन इसरो की संबंधित परियोजना टीमों द्वारा किया जा रहा है। अंतरिक्ष विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई), न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) इसरो और भारतीय उद्योग के सक्रिय सहयोग से वाणिज्यिक मिशनों के लिए उत्तरदायी है।

****